खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की क्षमता

1138. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में इस समय फलों और सब्जियों का वार्षिक उत्पादन क्रमश: 320 लाख टन और 679 लाख टन है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि देश में वर्तमान खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12.6 लाख टन है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त क्षमता का पूरा पूरा उपयोग नहीं किया जा रहा है ; और

(घ) यदि हां, तो देश में अधिष्ठापित क्षमता का कितना प्रतिशत उपयोग में लाया जा रहा है और देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विस्तार में अपेक्षित सफलता न मिलने के क्या कारण हैं ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) से (घ) अनुमान है कि देश में आलू और प्याज समेत फल और सब्जी का क्रमश: 320.66 लाख टन और 665.81 लाख टन उत्पादन हुआ । 1993 के अन्त में फल और सब्जी प्रसंस्करण उद्योग की स्थापित क्षमता 12.6 लाख टन थी । लेकिन उस वर्ष स्थापित क्षमता का केवल 46% उपयोग किया गया । उद्योग की क्षमता की गणना किसी यूनिट के 300 कार्यकारी दिवसों के आधार पर की जाती है लेकिन आमतौर पर यूनिटें कम समय अवधि के लिए काम करती हैं क्योंकि कच्चा माल मौसम के दौरान ही उपलब्ध होता है । इसलिए स्थापित क्षमता के कम उपयोग का मुख्य कारण लम्बे समय तक सही किस्म का पर्याप्त कच्चा माल उचित दरों पर नहीं मिल पाते हैं । इसके अलावा पैकेजिंग, ढुलाई आदि की बढ़ती लागत के कारण उत्पाद की कीमत बढ़ जाती है । इसके अलावा फल और सब्जी प्रसंस्करण क्षेत्र की अधिकांश यूनिटें छोटे स्तर की होने के कारण अपने बाजार का विस्तार करने में असमर्थ रहती हैं । लेकिन विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद 1991–92 के बजट में इन उत्पादों पर से उत्पाद शुल्क हटा लिए जाने के कारण प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के उत्पादन में सालाना लगभग 20% की वृद्धि हो रही है ।

Revival of sick Food Processing Industries

1139. CHAUDHARY MANMOHAN SINGH: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

\a) what are the Statewise details *at* the food processing Industrie; running into losses in the country;

(b) what is the reason for the sickness of these industries, and

i.«:) what steps are being taken by the Central Government to revive sick food processing industries?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOIi (a) i.o (c) Since the food processing industries are both in the organised and unorganised sectors, information with regard to the number of all food processing industries' no; functioning profitably in the country, State-wise, is not maintained centrally. Generally, in tbe last few years, food processing industries have been doing well. However, some small scale industires are reported to be facing marketing problems. The reasons llir individual units not doing well can be **attributed** to inadequacy of technology to produce quality goods, inadequacy of management marketing efforts, lack of finance etc. There are also certain |jane-r:il issues like inadequate availability of quality raw-materials a reasonable prices oyer B long period of time, higher taxes and duties on packaging materials and State level $tsae_s$ etc. are voiced by the industry from time" to time. With a view to give a boost to this industry, govern-